



747C

F

6903



3

DSM  
917

of Sakal R...  
1, 88000  
917

Affidavit 548, 549 dt 9-7-03

Regarding Agricultural Land

उपरोक्त 2 एकड़ (2/10) भूमि  
को मालिकता का दावा करने के लिए

:: बिक्रय पत्र ::

यह बिक्रय पत्र आज दिनांक 9 माह 7 सन् 2003

ई० को रांची में दोनों पक्षों के बीच निम्न प्रकार सम्पन्न होता है :-

बिक्रय का नाम व पता :- सलिल कुमार व गिररीश कुमार

दोनों पिता श्री विश्वानन्द प्रसाद सिंह धर्म-हिन्दू, पेशा -  
नौकरी स्थायी निवासी ग्राम- धेरो थाना- सरमेरा जिला-  
नालन्दा {बिहार} वर्तमान निवासी मकान नं०- 57 रोड नं०-  
3 बिरसा नगर थाना-जगरनाथपुर जिला- रांची {झारखण्ड}  
राष्ट्रीयता भारतीय नागरिक ... द्वारा पावर ऑफ एटोर्नी

होल्डर श्री विश्वानन्द प्रसाद पिता स्वर्गीय बैजू प्रसाद सिंह  
धर्म- हिन्दू पेशा- सेवा निवृत्त स्थायी निवासी ग्राम- धेरो  
थाना- सरमेरा जिला- नालन्दा {बिहार} वर्तमान निवासी,  
मकान नं०- 57 रोड नं०- 3 बिरसा नगर थाना- जगरनाथपुर  
जिला- रांची {झारखण्ड} राष्ट्रीयता भारतीय नागरिक ।  
जिसका पावर नं०- बुक- 11/3918 वर्ष 1977 जो अवर जिला  
निबंधक गाजियाबाद {उ०प्र०} के यहाँ निर्दिष्ट है । ज्ञात  
हो कि पावर ऑफ एटोर्नी होल्डर पावर देने वाले के पिता  
हैं ।

0200 427972

A: 3760-00

11/9 45-00

2.50

M 0.94

3808-504

15826

9381

3753

28960

विश्वानन्द प्रसाद सिंह

5070.60

320

1/210

917



-: 2 :-

कुंठा का नाम श्रीमती चंचला सिंह जोषे श्री सुनिल कुमार सिंह धर्म - विन्डू, पेशा - गृहणी निवासी - गुलजार अशोक कुंज अशोक नगर रोड नं०-३ के सामने धाना - अरगोडा जिला - रांची झारखण्ड  
राष्ट्रीयता भारतीय नागरिक ।

लेख्य प्रकार :- बिक्रय पत्र ॥ सेल डीड ॥ हमेशा के वास्ते ।

जमीन की कुल कीमत :- मोचालिग 1,87,610=00 ॥ एक लाख सत्तासी हजार छः सौ दस रुपया ॥ मात्र । मुद्रांक शुल्क 1,00,000 पर दिया जा रहा है ।

नाम जमीन्दार :- झारखण्ड सरकार द्वारा अधिाधिकारी, रातू, रांची ।

बिक्री की जाने वाली भूमि का व्योरा :- ~~...~~ जिसका

प्लॉट नं०- 2 खाता नं०- 32 प्लॉट नं०- 346 सब प्लॉट नं०- 346/ए रकबा 026 डीसमील मध्ये रकबा 13 $\frac{1}{2}$  साढ़े तेरह ॥ डीसमील यानि ~~...~~ 80.168 कट्टी मात्र बिक्रय रकबा धाना नं०- 228 मोजा- पुन्दाग धाना- जगरना धपुर जिला- रांची ॥ झारखण्ड ॥ जिसका मालगुजारी सालाने 2:00 ॥ दो ॥ रुपये अलावे शेष वगेरह जो अधिाधिकारी रातू अंगल रांची द्वारा झारखण्ड सरकार को देय ।

बिक्रय भूमि को नक्शे में लाल रंग से रंकर दर्शाया गया है जो बिक्रय पत्र के साथ संलग्न है तथा बिक्रय पत्र का अंश है एवं जिला की अपर निबंधक रांची के अन्तर्गत है तथा सब प्लॉट नं०- 346/ए के रूप में अंकित है ।

#### भूमि की माप

उत्तर :-	पूरब से पश्चिम :-	159 फीट
दक्षिण :-	पूरब से पश्चिम :-	159 फीट
पूरब :-	उत्तर से दक्षिण :-	36 फीट
पश्चिम :-	उत्तर से दक्षिण :-	40 फीट

विश्वनाथ प्रसाद सिंह  
09.07.03



(कारखाने)

-: 3 :-

श्रीम की चौहदी

उत्तर :- प्रस्तापित 20 फीट का रोड  
 दक्षिण :- प्लॉट नं०- 336  
 पूरव :- प्लॉट नं०-346 का शेष भाग  
 पश्चिम :- प्लॉट नं०- 260  
 लेख्य- सन्दर्भ

यह कि उपर वर्णित जमीन विक्रेता की खरीदारी जमीन है आरु  
 एस० छतियान में कन्दरु तेली के नाम से रयती कायमी दर्ज है ।  
 लगान पाने वाले का नाम बड़ा लाल कनरब नाथ साहदेवे के नाम  
 से दर्ज है । ~~कन्दरु तेली के नाम से रयती कायमी दर्ज है ।~~  
 तथा 1976 के अनुसार नगरपालिका क्षेत्र से बाहर है ।  
 सर्व प्रथम यह जमीन गांगू महतो ने कन्दरु तेली से

खरीदकर बराबर दखलकार होता आया है । इसके उपरान्त गांगू  
 महतो ने दिनांक 17-12-1963 ई० को श्रीमति माया देवी को  
 बिक्री कर दिया । जिसका निबन्धन रांची के निबन्धन कार्यालय में  
 बुक- । शीलूम नं०- 53 पेज नं०- 362 से 365 दस्तावेज संख्या-7387  
 सन् 1963 ई० को हासिल है । उसी जमीन को श्रीमति माया देवी  
 ने सलिल कुमार व गिरिषा कुमार को दिनांक 17-12-1987 ई० को  
 पुनः बिक्री कर दी जिसका निबन्धन रांची के निबन्धन कार्यालय में

विशुद्ध प्रमाण सिद्ध

09.07.03



4 :-  
 (बुद्धिपूर्वक) भौलूम नं०- 69 पेज नं०-99 से 103 दस्तावेज संख्या-  
 10485 रिजिस्ट्रार संख्या- 11164 तन् 1987 से हासिल है। म-  
 मोकिर अपने नाम से दाखिल खारिज कराकर व सरकारी रसीद  
 कटाकर बराबर दखतकार चले आ रहे हैं ।

यह कि विक्रेता को घरेलू कार्य हेतु कुछ रुपयों की  
 आवश्यकता हुई । रुपयों का इन्तजाम का और कोई उपाय न  
 देखकर विक्रेता सारणी में वर्णित अपनी जमीन को विक्रय की  
 चर्चा करने लगे । जमीन विक्रय की चर्चा के दरम्यान क्रेता-विक्रेता  
 से सम्पर्क स्थापित कर उपर वर्णित जमीन को खरीदने की इच्छा  
 प्रकट की, आपसी बातचीत के दौरान 13 1/2 साठे तेरह 1/2 बीसमील  
 यानि 8:168 कठों मात्र विक्रय रकम जमीन  
 की कुल कीमत मोचालिग 1,87,610=00 ₹ एक लाख सतासी हजार  
 छः सौ दस रुपया मात्र में तय की गयी । इस तय की गई रकम  
 से क्रेता एवं विक्रेता दोनों सहमत है ।

यह कि विक्रेता अपनी स्वेच्छा से बिना किसी के  
 दबाव, धमकाव, बहकाव में आर हुए पूर्ण लाभ- हासिल को  
 सोचते हुए आज रांची में क्रेता से मोचालिग 1,87,610=00 ₹ एक  
 लाख सतासी हजार छः सौ दस रुपया मात्र नगद लेकर पट्टा

विश्वनाथ प्रसाद सिंह  
 09.07.03



-: 5 :-

बिक्रय पत्र हमेशा के वास्ते क्रेता के नाम सम्मन्न कर दिया तथा दखलकार घोषित कर दिया। अब क्रेता महोदय उपरोक्त भूमि में शांतिपूर्ण दखलकार होते हुए उक्त जमीन पर अपना ~~खान~~ बनावे कुआँ बनावे, बाग-बगीचा लगावे, बंधक करें, लीज करें या बिक्री करें इस पर बिक्रेता एवं उनके वारिसान को वर्तमान या भविष्य में कोई आपत्ति नहीं होगी। साथ ही बिक्रेता यह विश्वास दिलाते हैं कि उक्त जमीन हर तरह से पाक-व-साफ एवं किसी भी तरह से शृणुभार तथा झगडा-झिडत तथा कानूनी प्रक्रिया से मुक्त है।

यह कि आज से क्रेता उक्त जमीन का स्थायी दखलकार घोषित हुए एवं झारखण्ड सरकार के कार्यालय अंचलाधिकारी रातू अंचल जिला- रायची में अपना नाम दाखिल खारिज कराकर साल-व-साल जमीन से सम्बन्धित लगान जमा करने में बिक्रेता को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि बिक्रेता पचन देता है कि यदि भविष्य में दुर्भावना, दुराशय अथवा गलती के कारण बिक्री गत भूमि या उसके अंग से क्रेता को पीछे होना पड़े अथवा हानि उठानी पड़े

बि.सु.नंदक. प्रसाद रि. 09.07.08



-: 6 :-

तो ऐसी स्थिति में बिक्री का कुल हानि और व्यय देने को बाध्य होंगे अन्यथा क्रेता उनकी अन्य सम्पत्ति से वसूल कर सकेंगे।

उपर लिखित बातों को स्वस्थचित अवस्था में गवाहों के समक्ष पढ़ा वो पढ़वाकर समझ लिया तथा अपनी स्वेच्छा से क्रेता से कुल रूपया 1,87,610=00 ₹ एक लाख सतासी हजार छः सौ दस रूपया ₹ मात्र वसूल पाकर बिक्री का क्रेता के नाम पट्टा बिक्रय पत्र हमेशा के वास्ते सम्पन्न कर दिया ताकि समय पर काम आवे।

आज दिनांक 9 माह 07 सन् 2003 ई0 को यह बिक्रय पत्र सम्पन्न होता है।

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन छितयान के अनुसार गैर मजरा, सरकारी जमीन

विशुद्ध प्रमाणित  
09.07.03



-: 7 :-

नहीं है या नहीं सरकार द्वारा अधिग्रहण ॥ सैनिक या  
असैनिक कार्यों के लिए किया गया है । ना ही भू-दान  
की जमीन है यह वन सीमा से बाहर है । तथा बी.सी.  
सी. एल. या ई.सी.सी.एल. का भी जमीन नहीं है ।

यह भी पुमानित किया जाता है कि यह  
भूमि आदिवासी छाते की नहीं है और ना ही आदिवासी  
से सम्बन्धित है । यह जमीन रीसोलिंग से मुक्त है ।

कुमवा:००००८

विशुद्धि व प्रत्येक स्थिति  
09.07.03



13 JUN 2003



विशुनदेव प्रसाद सिंह :-

उक्त जमीन में, मींदर, गिरीजा या मीरुद की नहीं है। यह जमीन मसना, तरना, हड़गड़ी, फहनई की भी नहीं है।

॥ बिक्रीत द्वारा शपथ पत्र संख्या 320 दिनांक 9-7-2003 से उल्लेखित विन्दु ॥क॥ का शपथ पत्र दिया गया है।

विदित हो कि मूल दस्तावेज एवं उसी दिवसीय प्रति एक दूसरे के हू-ब-हू एवं सच्ची प्रतिलिपि है। इस बिक्रय पत्र के पेश संख्या-2, 3, 4 में टाईप से कटिंग किया गया है जो बिक्रीत की जानकारी में है।

गवाहों का हस्ताक्षर:-

111 ~~इंद्रिका मुखर्जी~~  
121 ~~विद्या वती महार~~  
9-7-2003  
9-7-2003

विशुनदेव प्रसाद सिंह  
09.07.03  
बिक्रीत का हस्ताक्षर-

डाक्टरता:- ~~पति देव प्रसाद सिंह~~  
S142928F  
1/7/03

Received  
9.7.03 9.7.03

ORIGINAL

VILLAGE PUNDAG  
T.HANA & DIST. RANCHI  
THANA NO-228

R.S PLOT NO. 346

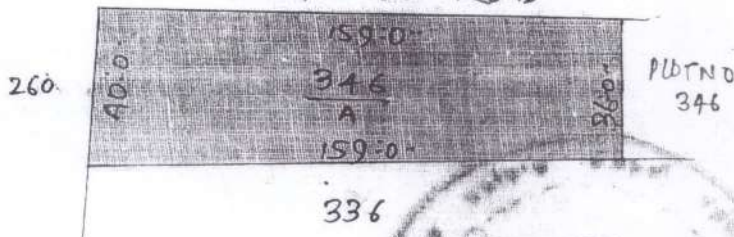
SUB PLOT NO-346/A

AREA-84.6CH-15-5FT

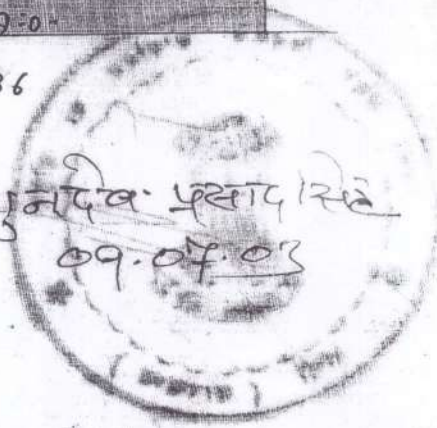
AREA SHOWN IN RED WASH

10-82  
10-47  
340

20'-0" WIDE PROPOSED ROAD



विशुद्ध व. प्रकृति रक्षित  
09.07.03



Key